REET 2015 Level-I

भाषा-II : हिन्दी

1. प्रश्न-पत्र निर्माण करने से पूर्व निम्न में से किस प्रपत्र को तैयार करना आवश्यक है?

(अ) पूरक पुस्तक (ब) ब्ल्यू प्रिंट

(स) पाठ्यक्रम (द) प्रश्नों के प्रकार (ब)

2. श्रव्य-दृश्य सामग्री नहीं है-

(अ) छाया चित्र (ब) दूरदर्शन

(स) चलचित्र (द) ड्रामा (अ)

3. मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का विकास करने का सशक्त माध्यम है-

(अ) विद्यालय पत्रिका (ब) नाटक

(स) वाद-विवाद (द) क्विज कार्यक्रम (स)

4. मूल्यांकन का आवश्यक गुण है-

(अ) वस्तुनिष्ठाता (ब) विश्वसनीयता

(स) वैधता (द) उपर्युक्त सभी (द)

5. भाषा दक्षता का प्रारंभिक कौशल है-

(अ) सुनना (ब) बोलना

(स) पढ़ना (द) लिखना (अ)

6. भाषा शिक्षक का विशेष अनिवार्य गुण है

(अ) विषय का विस्तृत ज्ञान (ब) बाल मनोविज्ञान का ज्ञान

(स) शिक्षण विधियों का ज्ञान (द) शुद्ध उच्चारण (द)

7. निम्न में से उपलब्धि परीक्षण निर्माण का चरण नहीं हैं-

(अ) शैक्षणिक उद्देश्यों को लिखना।

(ब) छात्रों की कमियों के कारणों की जानकारी प्राप्त करना।

(स) प्रश्न निर्माण करना।

(द) समंकन योजना तैयार करना। (ब)

8. भाषात्मक पक्ष के मापन हेतु उपयुक्त मापनी हैं-

(अ) व्यक्तित्व मापनी (ब) अभिवृत्ति मापनी

(स) उपलब्धि मापनी (द) प्रायोगिक परीक्षा (ब)

प्रश्न संख्या 9 से 13 तक के उत्तर निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दीजिए-

फ्रांस के प्रसिद्ध दार्शनिक रोमा रोलां ने कहा था कि पूर्व में एक भयंकर आग लगी जो कि वहाँ के अंधविश्वास एवं कुरीतियों रूपी झाड़-झंखाड़ को दग्ध करती हुई शीघ्र ही पाश्चात्य को भी अपनी चपेट में लेने वाली है। रोमा रोलां का संकेत स्पष्ट रूप से दयानंद सरस्वती की ओर था जो कि भारतीय जन-जागरण के पुरोधा के रूप में उभकर सामने आये थे।

9. अंधविश्वास में समास है-

(अ) तत्पुरूष (ब) कर्मधारय

(स) द्वन्द्व (द) अव्ययीभाव (ब)

10. उपसर्ग,तत्सम शब्द और हिन्दी के प्रत्यय से निर्मित शब्द है-

(अ) दार्शनिक (ब) झाड़-झंखाड़ों

(स) कुरीतियों (द) पाश्चात्य (स)

11. 'पुरोधा' शब्द में संधि है-

(अ) गुण (ब) व्यंजन

(स) यण (द) विसर्ग (द)

12. निम्नलिखित में तत्सम शब्द है-

(अ) संकेत (ब) चपेट

(स) आग (द) झाड़ (अ)

13. निम्नलिखित में पूर्वकालिक क्रिय प्रयोग है-

(अ) भयंकर (ब) उभरकर

(स) करती हुई (द) के रूप में (ब)

प्रश्न संख्या 14-18 के उत्तर निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दीजिए-

क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो - 1
उसको क्या जो दंतहीन, विषरहित, विनीत सरल हो - 2
तीन दिवस तक पंथ माँगते रघुपति सिन्धु किनारे - 3
बैठे पढ़ते रहे छंद अनुनय के प्यारे-प्यारे - 4
उत्तर में जब एक नाद भी उठा नहीं सागर से - 5
उठी अधीर धधक पौरूष की आग राम के शर से – 6
सिधु देह धर त्राहि-त्राहि करता आ गिरा शरण में -7
चरण पूज दासता ग्रहण की बँधा मूढ़ बंधन में - 8
सच पूछो तो शर में ही बसती है दीप्ति विनय – 9
संधिवचन संपूज्य उसी का जिसमें शक्ति विजय की – 10

14. उपर्युक्त काव्यांश के प्रथम चरण का भाव है-

(अ) क्षमा करना भुजंग का स्वभाव है।

(ब) क्षमा शक्तिशाली को शोभा देती है।

(स) बलहीन व्यक्ति के लिए क्षमा आभूषण है।

(द) भुजंग का गरल ही उसकी क्षमा है। (ब)

www.gkabhi.in

15. तीसरे और चौथे चरण का केन्द्रीय विचार है-

(अ) अनुनय-विनय से दुष्टों को नहीं समझाया जा सकता।

(ब) अनुनय-विनय को कभी नहीं त्यागना चाहिए।

(स) विनम्रता जीवन का सार है।

(द) अनुनय के प्यारे-प्यारे छंद निरर्थक होते हैं। (अ)

16. इस काव्यांश की भाषा है-

(अ) माधुर्य गुण युक्त किन्तु अंत तक पहुँचते-पहुँचते ओजपूर्ण।

(ब) अति सरल

(स) कठिन, समझने में दुष्कर

(द) विषय वस्तु के प्रतिकूल/विपरीत (BONUS)

17. इस काव्यांश के 5, 6, 7, चरण में किस भाव की अभिव्यक्ति हुई है?

(अ) समुद्र की उद्दंडता की (ब) समुद्र के साहस की

(स) राम को सहनशीलता की (द) राम के पौरूष की (द)

18. विनय की दीप्ति किसमें निवास करती हैं?

(अ) क्रोध में (ब) प्रहार करने में

(स) शर में (द) सन्धिवचन में (स)

19. कर्त्ता के साथ 'ने' कारक चिन्ह युक्त वाक्य में-

(अ) क्रिया सदैव सामान्य वर्तमान काल की होती है।

(ब) क्रिया सदैव भूतकाल की होती है।

(स) क्रिया अपूर्ण वर्तमान काल की होती है।

(द) क्रिया पूर्ण वर्तमान काल की होती है। (ब)

20. निम्नलिखित में कौन अव्यय का प्रकार नहीं है?

(अ) क्रिया-विशेषण (ब) संबंधबोधक

(स) समुच्चयबोधक (द) संज्ञा-विशेषण (द)

21. 'यह वही लड़का है जिसने कल चोरी की थी।' उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित वाक्य है-

(अ) संज्ञा उपवाक्य (ब) विशेषण उपवाक्य

(स) क्रिया-विशेषण उपवाक्य (द) क्रिया उपवाक्य (ब)

22. 'चाहो तो इस कलम से पूरी कहानी लिख लो।' इस वाक्य में कलम किस कारक में है?

(अ) करण कारक (ब) कर्म कारक

(स) अपादान कारक (द) संप्रदान कारक (अ)

23. 'जहाँ-जहाँ वह गया उसका बहुत सम्मान हुआ। 'रेखांकित अंश है-

(अ) विशेषण उपवाक्य (ब) संज्ञा-विशेषण उपवाक्य

(स) क्रिया-विशेषण उपवाक्य (द) सरल उपवाक्य (अ)

24. भाषा का मुख्य कौशल है-

(अ) लिखना (ब) पढ़ना

(स) बोलना (द) उपर्युक्त सभी (द)

25. योजना शिक्षण विधि के प्रवर्तक हैं-

(अ) जॉन डीवी (ब) डब्ल्यूएच, किलपैट्रिक

(स) डाल्टन (द) अरस्तु (ब)

26. छोटे बालकों की कल्पशक्ति विकसित करने का माध्यम है-

(अ) महापुरूषों की जीवनियां (ब) रसानुभूति कविताएँ

(स) पौराणिक गाथाएँ (द) परियों की कहानियाँ (द)

www.gkabhi.in

27. भाषा शिक्षण के सिद्धांत हैं-

(अ) प्रेरणा का सिद्धांत (ब) क्रिया द्वारा सीखने का सिद्धांत

(स) जीवन से जोड़ने का सिद्धांत (द) उपर्युक्त सभी (द)

28. भाषाई कौशलों यथा – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना का विकास किस कक्षा तक पूर्ण हो जाना चाहिए?

(अ) कक्षा दो (ब) कक्षा तीन

(स) कक्षा पाँच (द) कक्षा आठ (स)

29. छात्र की मौखिक अभिव्यक्ति की योग्यता का मूल्यांकन करते समय निम्न में से आवश्यक है-

(अ) शुद्ध उच्चारण (ब) उचित गति

(स) व्याकरण सम्मत भाषा का प्रयोग (द) उपर्युक्त सभी (द)

30. श्रवण कौशल की विकसित करने के लिए उपयुक्त प्रणाली है-

(अ) व्याख्या प्रणाली (ब) तुलना प्रणाली

(स) गीत प्रणाली (द) खेल प्रणाली (द)

❑❑❑

For Indian GK, Rajasthan GK, Subjective Knowledge Educational Psychology, Sanskrit, Hindi etc.

Follow Website → www.gkabhi.in

Subcribe Youtube → www.youtube.com/ekanshstudy

Subcribe Youtube → https://www.youtube.com/c/GKAbhi